

मशरूम उत्पादन: रोजगार का नया आयाम

(*तेजपाल बाज्या¹, ममता देवी चौधरी², ममता बाज्या³ एवं मनीषा शिवराण¹)

¹पादप रोग विज्ञान, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

²विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौध संरक्षण) कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर

³पादप कार्यिकी विज्ञान, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब

*संवादी लेखक का ईमेल पता: tejpalbajya93@gmail.com

मशरूम का खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग प्राचीनकाल से भारत में होता आया है, जिसका उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रन्थों में मिलता है। पौष्टिता, स्वाद व सुगन्ध के कारण मशरूम सदैव ही विश्व में विशिष्ट खाद्य पदार्थ के रूप में अपनाया गया है। प्राकृतिक रूप से उगने के अतिरिक्त मशरूम की खेती कृत्रिम रूप में किए जाने से अधिक कांतिकारी परिवर्तन आया है। तथा विश्व में अधिकांश हिस्सो में मशरूम पैदा किया जाने लगा है लगभग 2000 खाने योग्य मशरूम में से 200 के करीब भारतवर्ष में पायी जाती है, जिसमें से अधिकांश पहाडी क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उगती है

मशरूम क्या है?

मशरूम एक प्रकार मशरूम एक विशेष प्रकार के इनमें पौधो के सम्मान हरित जैव पदार्थ व इनके अवशेषों उगती है इन पदार्थों से ये जैसी रचना जो पदार्थ के सोखते है इसके फल फैले जो बाद में छतरीनुमा हो असंख्य बीज बनते है इसकी पर आधारित होने के कारण आर्थिक रूप से लाभकारी हैं।



की खाने योग्य फंफुद है। जैव वर्ग से संबंध रखते है पदार्थ नहीं होता है और ये पर सहजीवी के रूप में अपना भोजन कुछ भागो अंदर तक भेद जाते है द्वारा हुए अण्डाकार रूप में होते है जाते है इन छतरीयो में खेती साधारण कृषि अवशेषों

मशरूम का महत्व— मशरूम सदियों से पौष्टिक आहार के रूप में प्रसिद्ध है। इसे पौष्टिकता के आधार पर मांस व सब्जियों के बीच माना जा सकता है मशरूम में अच्छी गुणवत्ता की प्रोटीन, विटामिन्स, तथा मिनरल्स होते है। मशरूम में प्रोटीन सभी सब्जियों से अधिक मात्रा में पाया जाता है तथा बहुत उच्च कोटी का होता है। 20–33 ग्राम प्रोटीन शुष्क भार के आधार पर मशरूम में पाया जाता है इसमें कुछ विशिष्ट कालेस्ट्रॉल कम करने वाले पदार्थ भी पाये जाते है, जिससे यह हृदय रोगियों के लिए लाभदायक है मशरूम में एल्केलाइन राख (उच्च सोडियम, पोटेशियम) तथा अधिक रेशेयुक्त होने के कारण यह हाइपर-एसीडीटी तथा कब्ज के मरीजों के लिए लाभदायक है

मशरूम उत्पादन के उद्देश्य— हमारे देश में अधिकतर लोग शाकाहारी है साथ ही देश में प्रोटीन की कमी महसूस की जा रही है मशरूम प्रोटीन तथा पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन प्रदान करती है जो शाकाहारीयों के लिए बहुत ही लाभदायक है मशरूम की खेती के लिए अधिक जमीन व खेतों की आवश्यकता नहीं होती है इसको घर के खाली कमरे में आसानी से उगाया जा सकता है। मशरूम की खेती बैरोजगारो को रोजगार तथा खेतीहर को अतिरिक्त आय उपलब्ध कराती है मशरूम की खाद, मशरूम पैदावार लेने के पश्चात पुनः दुसरी फसलों के काम में ली जा सकती है। परिशोधित मशरूम निर्यात कर विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है।